>

Title: Need to set up a Wage Board to look into the plight of labourers working in Tea Gardens.

श्री मनोहर तिरकी (अलीपुरद्वार): अध्यक्ष महोदया, मैं एक विशेष विषय पर सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूं। चाय उद्योग जो हमारे देश का प्रतिष्ठित उद्योग है। 20-25 लाख मजदूर यहां काम करते हैं और इससे ज्यादा विदेशी मुद्रा भी आती है, लेकिन अफसोस की बात है कि यह चाय उद्योग बंद होने की कगार पर है। वहां के मजदूरों को कम पैसा मिलता है, कम मजदूरी मिलती है जिससे वे नरेगा के काम में चले जाते हैं और चाय बागानों में काम करने के लिए मजदूर नहीं मिलता है। सरकार ने वर्ष 1966 में जो वेतन बोर्ड गठित किया था, उसी के आधार पर उनकी मजदूरी तय होती है। इसलिए मैं चाहता हूं, जैसा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने भी रिकमेंडेशन दी है कि केन्द्रीय सरकार समस्त चाय मजदूरों के वेतन बोर्ड का गठन करे। चाय उद्योग अच्छी स्थिति में चल रहा है, मजदूर कम मजदूरी पाएंगे, तो उनका जीना मुश्किल हो जाएगा। आज कमरतोड़ महंगाई हो रही है, हर चीज का दाम बढ़ रहा है और वे मजदूरी कम पा रहे हैं।

मैं केन्द्र सरकार से अनुरोध करूंगा कि वह वेतन बोर्ड का गठन करके उन मजदूरों के लिए उचित वेतन की व्यवस्था करे और साथ ही इस उद्योग को भी बचाए।